Literacy for a Billion

Movie: Farz
Year: 1967

Song: Hum to tere ashiq
Lyricist: Anand Bakshi

हम तो तेरे आशिक़ हैं सदियों पुराने
हम तो तेरे आशिक़ हैं सदियों पुराने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

हम भी ज़माने से हैं तेरे दीवाने
हम भी ज़माने से हैं तेरे दीवाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

आई है यूँ प्यार पे जवानियाँ
अरमाँ दिल में है
दिल मुश्क़िल में है जाने तमन्ना
तेरे इसी प्यार की कहानियाँ
हर महफ़िल में है
सब के दिल में है जाने तमन्ना
छेड़ते हैं सब मुझको अपने बेग़ाने
छेड़ते हैं सब मुझको अपने बेग़ाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

हम तो तेरे आशिक़ हैं सदियों पुराने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

सोचो मोहब्बत में कभी हाथ से
दामन छूटे तो
दो दिल रूठे तो
तो फिर क्या हो

ऐसा ना हो काश कभी प्यार में
वादे टूटे तो
दो दिल रूठे तो
तो फिर क्या हो
हम तो चले आए सनम तुझको मनाने
हम तो चले आए सनम तुझको मनाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

हम भी ज़माने से हैं तेरे दीवाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

मस्त निगाहों से इस दिल को
मस्त बनाए जा
और पिलाए जा
प्यार के सागर
दिल पे बड़े शौक से सितमगर
ठेस लगाए जा
तीर चलाए जा याद रहे पर
तीर कभी बन जाते हैं खुद निशाने
तीर कभी बन जाते हैं खुद निशाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने
हम तो तेरे आशिक़ हैं सदियों पुराने
हम भी ज़माने से हैं तेरे दीवाने
चाहे तू माने चाहे ना माने
चाहे तू माने चाहे ना माने

Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.